जिला ग्रामीण विकास अभिकरण
पावती सं० 233
दिनांक 31/05/2016

सफलता की कहानी

गुरदेव स्वंय सहायता समूह हनोह ग्राम पंचायत हनोह विकास खण्ड भोरंज

पहले की स्थिति:– स्वंय सहायता समूह हनोह के गठन से पुर्व महिलाओं की आर्थिक स्थिति सन्तोषजनक नहीं थी उनके लिए परिवार का पालन पोषण तथा बच्चों की शिक्षा के लिए आमदनी का कोई साधन नही था। महिलाओं को अपनी जरूरतों की पुर्ति के लिए बैंक से कम ऋण लेना आयान नहीं था। इस प्रकार महिलाओं की स्थिति में कोई सुधार नहीं हा सका। इसके उपरान्त गरीब महिलाओं ने विकास खण्ड में जाकर अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए जानकारी प्राप्त की।

आशा की किरण :– फिर दिनांक 04.01.2014 को विाय खण्ड भोरंज से महिला ग्राम विकास संयोजिका हमारे गांव में आशा की एक नई किरण लेकर आई। भ्रमण के दौरान उन्होंने महिलाओं की समाजिक एवं आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने हेतु राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बारे विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

समूह का गठन:– दिनांक 04.01.2014 को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना के अर्न्तगत गांव हनोह में स्वंय सहायता समूह का गठन किया गया तथा इस समूह में 7 परिवारों के सदस्य शामिल किए गए।

बैठक की तारीख:– गुरदेव स्वंय सहायता समूह हनोह की बैठक हर माह 4 तारीख को नियमित रूप से गांव हनोह में की जाती है।

बचत राशि:– समूह के सदस्य 20 रू0 प्रतिमाह के हिसाब से बचत करते हैं, अतः समूह का आज तक की कुल पूंजी 2450रू0 है।

आपसी लेन–देन करना:– समूह बचत में से एक–दूसरे को ऋण देता है तथा 2 रू0 ब्याज की दर से सदस्यों द्वारा प्रतिमाह वसूली की जाती है।

गठन के छः माह में गतिविधिः– समूह गठन के प्रथम छः माह में छोटा–छोटा ऋण लेन–देन करते हैं।ऋण महिलाएं अपनी धरेलू जरूरतों की पूर्ति के लिए लिया करती है।जैसे राशन खरीदना,बच्चों की फीस देना,शादी के लिए सामान खरीदना तथा पशुओं के लिए चारा खरीदने के लिए ऋण लेते हैं।

सहयोगः– स्वंय सहायता समूह को यदि ऋण आदिके लेन–देन से सम्वधित कोई भी जानकारी लेनी हो तो कर्मचारियों व अधिकारियों की ओर से समूह का पूर्ण सहयोग किया जाता है।

रिवाल्विग फण्ड राशिः– स्वंय सहायता समूह को सुदृढ़ बनाने के लिए 10,000रू0 की राशि बिना ब्याज सहित रिवांल्विंग फण्ड के रूप में दी गई है।

मशरूम उत्पादन के लिए बैंक ऋणः– समूह ने मशरूम उत्पादन के कार्य चलाने के लिए विकास खण्ड भोरंज के कार्यालय में लोन फॉर्म जमा करवाए तथा समूह के छः सदस्यों ने 3,00000(तीन लाख रू0) की ऋण राशि के0सी0सी0 बैंक भरेड़ी के माध्यम से प्राप्त की जिसका विवरण निम्न प्रकार से हैः–

क0	लाभार्थी का नाम	ऋण राशि
1	सुमन देवी w/o जनक सिंह	50000
2	दीपिका धीमान w/o मनोज कुमार	50000
3	निशा कुमारी w/o दिनेश कुमार	50000
4	गंगा देवी w/o सुभाष चौहान	50000
5	धनवन्ती w/o अमरजीत	50000
6	वीना देवी w/o हेमराज	50000

आमदनीः–समूह के सभी सदस्य मशरूम का उत्पादन कर स्थानीय वालार में वेचकर अपनी आमदनी में बढ़ौतरी कर रहे हैं तथा बैंक ऋण किस्त की वापसी भी समय पर कर रहें है।

समूह के सदस्य इसके साथ–2 अन्य समाजिक गतिविधियों के कियान्वयन में अपना पूर्ण सहयोग देती हैं। गांव हनोह में सभी धरों में शौचालयों का निर्माण करवाने के लिए समूह द्वारा धर–2 जाकर लोगों को जागरूक किया जाता है। समूह के सदस्य बैठक में धातक एवं जानलेवा विमारियों के वारे में भी चर्चा करती हैं ताकि स्वस्छ समाज की कल्पना की जा सके समूह के सदस्य जरूरत मंद महिलाओं का सहयोग देती हैं तथा भविष्य में सरकार द्वारा चलाई जा रही विकासात्मक योजनाओं के कार्यन्वयन के लिए वचनवध हैं।

जय हिन्द

Block Dev. Officer
Dev. Block Bhoranj
Distt. Hamirpur (H.P.)

गुरुदेव स्वयं सहायता समूह इगोह
के सदस्यों द्वारा उत्पादित मशरूम

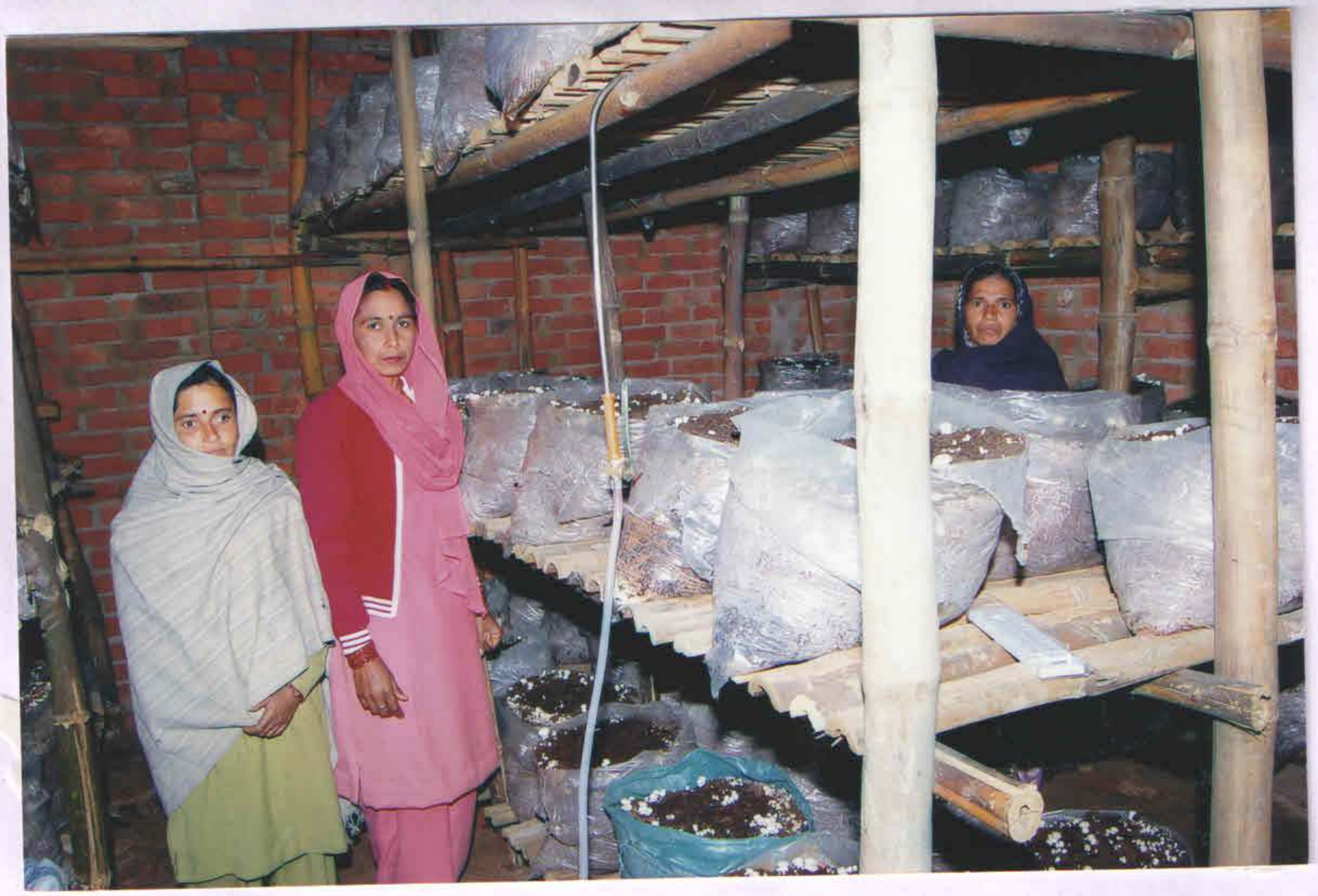

गुरूदेव स्वयं सहायता समूह इनोह
के सदस्यों द्वारा तैयार मशरूम

जिला ग्रामीण विकास अभिकरण
पावती सं० 232
दिनांक 23/04/2014
हमीरपुर (हि०प्र०) 177001

सफलता की कहानी

भोले शंकर स्वंय सहायता समूह दरूण ग्राम पंचायत खरवाड़ विकास खण्ड भोरंज

पहले की स्थिति– स्वंय सहायता समूह हनोह के गठन से पुर्व महिलाओं की आर्थिक स्थिति सन्तोषजनक नही थी उनके लिए परिवार का पालन पोषण तथा बच्चों की शिक्षा के लिए आमदनी का कोई साधन नही था,महिलाओं को अपनी जरूरतों की पुर्ति के लिए बैंक से कम ऋण लेना आयान नहीं था। इस प्रकार महिलाओं की स्थिति में कोई सुधार नहीं हा सका। इसके उपरान्त गरीब महिलाओं ने विकास खण्ड में जाकर अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए जानकारी प्राप्त की।

आशा की किरण :– फिर दिनांक 05.07.2013 को विकास खण्ड भोरंज से महिला ग्राम विकास संयोजिका हमारे गांव मे आशा की एक नई किरण लेकर आई। भ्रमण के दौरान उन्होंने महिलाओं की समाजिक एवं आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने हेतु राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बारे विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

समूह का गठनः– दिनांक 05.07.2013 को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना के अर्न्तगत गांव दरूण में भोले शंकर स्वंय सहायता समूह का गठन किया गया तथा इस समूह में छः परिवारों के सदस्य शामिल किए गए।

बैठक की तारीखः– भोले शंकर स्वंय सहायता समूह हनोह की बैठक हर माह 5 तारीख को नियमित रूप से गांव दरूण में की जाती है।

बचत राशिः– समूह के सदस्य 20 रू0 प्रतिमाह के हिसाब से बचत करते हैं, अतः समूह की आज तक की कुल पूंजी 2200 रू0 है।

आपसी लेन–देन करनाः– समूह बचत में से एक–दूसरे को ऋण देता है तथा 2 रू0 ब्याज की दर से सदस्यों द्वारा प्रतिमाह वसूली की जाती है।

गठन के छः माह में गतिविधिंः– समूह गठन के प्रथम छः माह में छोटा–छोटा ऋण लेन–देन करते हैं।ऋण महिलाए अपनी धरेलु जरूरतों की पूर्ति के लिए लिया करती है।जैसे राशन खरीदना,बच्चों की फीस देना,शादी के लिए सामान खरीदना तथा पशुओं के लिए चारा खरीदने के लिए ऋण लेते हैं।

सहयोग– स्वंय सहायता समूह को यदि ऋण आदिके लेन–देन से सम्बधित कोई भी जानकारी लेनी हो तो कर्मचारियों व अधिकारियों की ओर से समूह का पूर्ण सहयोग किया जाता है।

रिवाल्विग फण्ड राशिः– स्वंय सहायता समूह को सुदृढ़ बनाने के लिए 10,000रू0 की राशि बिना ब्याज सहित रिवाल्विंग फण्ड के रूप में दी गई है।

डेरी फॉर्मिंग के लिए बैंक ऋणः– समूह ने डेरी फॉर्मिंग के कार्य चलाने के लिए विकास खण्ड भोरंज के कार्यालय में लोन फॉर्म जमा करवाए तथा समूह के छः सदस्यों ने 3,00000(तीन लाख रू0) की ऋण राशि पी०ए०बी० खरवाड के माध्यम से प्राप्त की जिसका विवरण निम्न प्रकार से हैः–

क्र0	लाभार्थी का नाम	ऋण राशि

1	नीलम शर्मा w/o शक्ति चन्द	50000
2	राज कुमारी w/o विजय कुमार	50000
3	मीरा देवी w/o देश राज	50000
4	सलोचना देवी w/o नन्द लाल	50000
5	कमला देवी w/o प्रीतम चन्द	50000
6	शकुन्तला देवी w/o विद्यासागर	50000

आमदनी–समूह के सभी सदस्य दूध,धी आदि स्थानीय वाजार में वेचकर अपनी आमदनी में बढ़ौतरी कर रहे हैं तथा बैंक ऋण किस्त की वापसी भी समय पर कर रहें है।

समूह के सदस्य इसके साथ–2 अन्य समाजिक गतिविधियों के कियान्वयन में अपना पूर्ण सहयोग देती हैं। गांव हनोह में सभी धरों में शौचालयों का निर्माण करवाने के लिए समूह द्वारा धर–2 जाकर लोगों को जागरूक किया जाता है। समूह के सदस्य बैठक में धातक एवं जानलेवा विमारियों के वारे में भी चर्चा करती हैं ताकि स्वस्छ समाज की कल्पना की जा सके समूह के सदस्य जरूरत मंद महिलाओं का सहयोग देती हैं तथा भविष्य में सरकार द्वारा चलाई जा रही विकासात्मक योजनाओं के कार्यन्वयन के लिए वचनवध हैं।

जय हिन्द

Block Dev. Of
ev. Block E
Distt. Hamir

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन :–

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत वर्ष 2013–14 में विकास खण्ड हमीरपुर को 23 स्वयं सहायता समूहों का गठन करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ था, जोकि प्राप्त कर लिया गया था। इसके अतिरिक्त योजना के अन्तर्गत वर्ष 2013–14 के लिए 70.26 लाख रू0 ऋण दिलवाये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, तथा केवल 20लाख ऋण दिलवाये जाने का लक्ष्य ही प्राप्त किया गया था। वर्ष **2014–15** में विकास खण्ड हमीरपुर को **56 स्वयं सहायता समूहों** का गठन करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, तथा विकास खण्ड द्वारा **50 स्वयं सहायता समूहों** का गठन किया गया है। योजना के अन्तर्गत वर्ष 2014–15 के लिए **33.65 लाख रू0 ऋण** दिलवाये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जबकि विकास खण्ड के माध्यम से **36.70लाख ऋण** दिलवाये जाने का लक्ष्य ही प्राप्त किया गया है।

दो प्रगतिशील स्वयं सहायता समूहों का ब्यौरा :–

नारी एकता स्वयं सहायता समूह विकास नगर का गठन 10.8.2013 को किया गया था। यह समूह ग्राम पंचायत दड़ूही में पडता है। समूह में कुल 9 सदस्य हैं, जिसमें से 5 सदस्य अनु0जा0, 3 सदस्य अनु0जनजा0 तथा 1 सदस्य सामान्य जाति से सम्बन्धित है। समूह को विकास खण्ड के माध्यम से 15000/–रू की रिवालविंग फंड की राशि जारी की गई है। समूह के सदस्यों को डेहरी फार्म सम्बन्धी कार्य करने हेतू सैन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया से 2.70 लाख रू0का ऋण दिलवाया गया है। समूह के सदस्य दूध बेचकर परिवार की आय में योगदान दे रहे हैं।

शिवानी स्वयं सहायता समूह जटेहडी का गठन 26.3.2013 को किया गया था। यह समूह ग्राम पंचायत सासन में पडता है। समूह में कुल 7 सदस्य हैं, सभी सदस्य अनु0जा0 जाति से सम्बन्धित है। समूह को विकास खण्ड के माध्यम से 10000/–रू की रिवालविंग फंड की राशि जारी की गई है। समूह के सदस्यों को छज्ज बनाने हेतू कांगडा केन्द्रीय सहकारी बैंक पक्का भरो से मु0 3.00 लाख रू0 का ऋण दिलवाया गया है। समूह के सदस्य छज्ज बेचकर परिवार की आय में योगदान दे रहे हैं।

इन्दिरा आवास योजना :–

इन्दिरा आवास योजना के अन्तर्गत वर्ष ***2013–14*** में विकास खण्ड हमीरपुर को ***41 गृहों*** का लक्ष्य प्राप्त हुआ था, जोकि 31 मार्च 2014 से पूर्व पूर्ण कर लिया गया था। गृहों के निर्माण हेतू ***3075000/–रू*** की धनराशि जिला ग्रामीण विकास अभिकरण हमीरपुर से प्राप्त हुई थी, जोकि चयनित पात्र लाभार्थियों को जारी कर दी गई थी। वर्ष ***2014–15*** में विकास खण्ड हमीरपुर को ***29 गृहों*** का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, तथा 28 गृहों का निर्माण कार्य 31 मार्च 2015 तक पूर्ण कर लिया गया है। गृहों के निर्माण हेतू ***मु01087500/–रू*** की धनराशि जिला ग्रामीण विकास अभिकरण हमीरपुर से प्राप्त हुई है, जोकि चयनित पात्र लाभार्थियों को प्रथम किश्त जारी कर दी गई है। गृह निर्माण हेतू द्वितीय तथा अन्तिम किश्त प्राप्त नहीं हुई है। योजना के अन्तर्गत पंचायतों द्वारा पात्र परिवारों की वरीयता क्रमानुसार प्रतीक्षा सूची तैयार कर ली जाती है तथा उसी क्रमानुसार लाभार्थियों को गृहों का आबंटन किया जाता है। मकान आबंटन के पश्चात प्रथम किश्त जारी करने से पूर्व लाभार्थियों से धरातल सम्बन्धी कागजात सम्बन्धी प्रक्रिया पूर्ण की जाती है। इसके अतिरिक्त गृह निर्माण कार्य पूर्ण होने पर निर्मित मकान की दीवार पर लाभार्थी की नाम पटिटका लगाई जाती है।

निर्मल भारत अभियान :–

निर्मल भारत के अन्तर्गत विकास खण्ड हमीरपुर को मु0 16416370 रू की धनराशि प्राप्त हुई है, जिसमें से मु0 2213526 रू0 विभिन्न गतिविधियों पर खर्च किये जा चुके हैं। विकास खण्ड हमीरपुर की सभी 24 पंचायतें खुले में शौच मुक्त हो चुकी हैं। विकास खण्ड हमीरपुर की 12 ग्राम पंचायतों ने निर्मल ग्राम पुरस्कार को प्राप्त करने हेतू आवेदन किया था। निरीक्षण कमेटी द्वारा पंचायतों का निरीक्षण कर लिया गया था, परन्तु कोई भी पंचायत निर्मल ग्राम पुरस्कार प्राप्त करने में सफलता प्राप्त नहीं कर सकी। विकास खण्ड के अन्तर्गत 3 सामुदायिक शौचालयों का निर्माण करवाया जा चुका है, जबकि एक सामुदायिक शौचालय का कार्य निर्माणाधीन है। बाजारों में इको फ्रैन्डली शौचालय निर्माण सम्बन्धी कार्यालय में किसी प्रकार के दिशानिर्देश प्राप्त नहीं हुए है। इस सम्बन्ध में यह भी निवेदन किया जाता है कि इको फ्रैन्डली शौचालय निर्माण कार्य बहुत मंहगा है।

पृष्ठांकन संख्या –1562 दिनांक - 21/4/15

प्रतिलिपि उप निदेशक एवं परि० अधिकारी DRDA हमीरपुर को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है

खण्ड विकास अधिकारी
हमीरपुर हि०प्र०

सफलता की कहानी
शिव सेवा स्वयं सहायता समूह ढो ।

वर्ष 2008–09 के दौरान ग्राम पंचायत कंज्याण, विकास खण्ड वमसन स्थित टौणी देवी, जिला हमीरपुर हि0 प्र0 के गांव ढो में बी0पी0एल0 परिवारों का स्वर्ण जयन्ती ग्राम रोजगार योजना के अर्न्तगत स्वंय सहायता समूह का गठन किया गया । इस स्वंय सहायता समूह में 10 सदस्य हैं । गठन के बाद समूह को बैंक के साथ जोड कर समूह के सदस्यों को अनुदान सहित 3,00,000/– रूपये ऋण आबंटित किया गया । इस समूह में विभिन्न गतिविधियों, जिसमें स्कूल वैग,डेयरी का कार्य,कैरी वैग तथा जूते बनाने आदि कार्य किये । समूह का प्रत्येक सदस्य 5000/– रूपये प्रति माह अपनी आय अर्जित कर रहा है साथ ही अन्य कर्मठ लाभार्थी श्री मेघ राज व उनकी पत्नी श्रीमति मनभरी देवी द्वारा जिला व प्रदेश भर में लगने वाली प्रदर्शनियों में उनके द्वारा र्निमित जूतों को लगाया गया तथा हजारों रूपये की आय अर्जित की गई । इस समूह के सदस्य स्वंय तो आत्मर्निभर हुए अपितू अन्य लोगों को भी आत्मर्निभर बनाया गया । इस समूह के सदस्यों पंचायत का नाम तो रोशन किया साथ में प्रदेश भर में जिला का नाम भी रोशन किया । अब वर्तमान में यह समूह राष्टीय आजीविका मिशन ।एन0आर0एल0एम । के अर्न्तगत जूडकर बैंक से ऋण लेकर अपने समूह की गतिविधियों को सूचारू चलाया जा रहा है । इस समूह का कार्य काफी सराहनीय है तंथा यह समूह सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का पूरा लाभ उठा रहे हैं यह समूह अपने इस कार्य से काफी खूश व सन्तूष्ट है। इस समूह के कारण श्री मेघ राज को विभिन्न उत्सवों व मेलों में लगाई प्रदर्शनियों में प्रशस्ति पत्र मिल चुका है ।

Block Development Officer,
Bamsan at Tauni Devi
Distt. Hamirpur (HP)

सफलता की कहानी

वैष्णो स्वयं सहायता समूह डाडू ।

वर्ष 2014–15के दौरान ग्राम पंचायत डाडू, विकास खण्ड वमसन सथित टौणी देवी, जिला हमीरपुर हि0 प्र0 के गांव डाडू में बी0पी0एल0 परिवारों का स्वर्ण जयन्ती ग्राम रोजगार योजना के अर्न्तगत स्वंय सहायता समूह का गठन किया गया । इस स्वंय सहायता समूह में 08 सदस्य हैं । गठन के बाद समूह को बैंक के साथ जोड कर समूह के सदस्यों को अनुदान सहित 3,00,000/– रूपये ऋण आबंटित किया गया । इस समूह में विभिन्न गतिविधियों, जिसमें डेयरी का कार्य तथा कैरी वैग बनाने आदि कार्य किये । तथा इस समूह के सदस्यों ने निकटवर्ती क्षेत्र में दुध पूर्ति करके अपने लिए आजीविका का साधन वनाया । समूह का प्रत्येक सदस्य चार हजार से पांच हजार रूपये तक प्रति माह अपनी आय अर्जित कर रहा है स्वय तो आत्मर्निभर हुए अपितू अन्य लोगों को भी आत्मर्निभर बनने के लिए जागरूक किया गया । अब वर्तमान में यह समूह राष्टीय आजीविका मिशन ।एन0आर0एल0एम । के अर्न्तगत जूडकर बैंक से ऋण लेकर अपने समूह की गतिविधियों को सूचारू चलाया जा रहा है । इस समूह का कार्य काफी सराहनीय है तंथा यह समूह सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का पूरा लाभ उठा रहे हैं यह समूह अपने इस कार्य से काफी खूश व सन्तूष्ट है।

Block Development Offic
Bamson at Tauni Devi
Distt. Hamirpur (HP)

जिला ग्रामीण विकास अभिकरण
पावती सं० 245
दिनांक 23/4/15
हमीरपुर (हि०प्र०)-177001

क्रमांक:- 89

ग्रामीण विकास विभाग (हि०प्र०)
कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी ,
सुजानपुर टिहरा जिला हमीरपुर (हि०प्र०)।

सेवा में,

उपनिदेशक एवं परियोजना अधिकारी ,,
जिला ग्रामीण विकास अभिकरण
हमीरपुर जिला हमीरपुर (हि०प्र०)

दिनांक :- सुजानपुर 21/4/ 2015

विषय:- **जिला स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति जिला ग्रामीण विकास अभिकरण हमीरपुर की बैठक 16-01-2015 के मद 2 राष्ट्रिय ग्रामीण आजीविका मिशन वारे ।**

महोदय,

इस विकास खण्ड के लिए वर्ष 2013-14 में 46.64 लाख रूपये ऋण देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था इस विकास खण्ड द्वारा 10 स्वयं सहायता समूहों को विभिन्न गतिविधियों के लिए मु० 23.40 लाख रूपये ऋण वितरित करवा दिया गया था इसी तरह इस वर्ष 2014-15 के लिए 22.34 लाख रूपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया था इसकी इस लक्ष्य को पूर्ण करके इस विकास खण्ड द्वारा मु० 23.40 लाख रूपये का ऋण आठ स्वयं सहायता समूहों को वितरित करवा दिया गया है जैसाकि महोदय ने चाहा है दो स्वयं सहायता समूहों की विस्तृत रिपोर्ट का का ब्यौरा निम्न प्रकार से है :-

क्र० सं०	समूह का नाम	सदस्यों की संख्या	प्रधान/ सचिव का नाम	दिया गया ऋण	बैंक का नाम	गतिविधि	रिवाल्विंग फण्ड	आय प्रति माह
1.	सिमरन SHG जंगल ग्राम पंचायत जंगल	11	अनीता कुमारी [redacted] / प्रोमिला देवी [redacted]	240000	PNB जंगल	डेयरी , सीरा, बडियां , घी, दूध ,पापड़	15000	22000/- Per Month (11)
2.	शिव शक्ति स्वयं सहायता समूह लोहार बलही ग्राम पंचायत धमडियाना	10	मनु देवी [redacted] / अंजू रानी [redacted]	260000	Canara Bank Sujanpur	डेयरी ,बकरी पालन , सीरा, बडियां , हल्दी , अमचूर , लिफाफे बनाना	15000	16000/- Per Month (8)

अतः सूचना महोदय की सेवा में आगामी कार्यवाही हेतु प्रेषित है ।

भवदीय,

खण्ड विकास अधिकारी,
विकास खण्ड सुजानपुर-टीहरा ।

वर्ष 2013–14 में प्रगतिशील स्वयं सहायता समूहों की सूची विकास खण्ड बिझडी तहसील बडसर जिला हमीरपरु हि0प्र0

(1) आकृति स्वयं सहायता समूह

आकृति स्वयं सहायता समूह का गठन 23 मई 2013 को ग्राम पंचायत घंघोट कलां के गांव बड्डू में बी0पी0एल0 परिवारों की महिलाओं द्वारा किया गया। इस समूह में 10 महिलाएं हैं जिनमें से 5 महिलाएं अनुसूचित जाति से सम्बन्ध रखती हैं। इस समूह को दिनांक 23/11/2013 को पी0एन0बी0 बैंक गारली द्वारा 300000/रू0 का ऋण दिया गया है । समूह को दिनांक 31 मार्च 2014 को विकास खण्ड बिझडी द्वारा 15000/रू0 की परिक्रमा निधि दी जा चुकी है। प्रधान/सचिव पंचसूत्रीय दस्तावेजों का रख–रखाव स्वयं क़रतीं हैं। समूह की महिलाएं घरेलू खाद्य उत्पाद जैसे सीरा,संवियां,बडियां,अचार,चटनी आदि तैयार करके बिक्री करती हैं। और मेलों तथा प्रदर्शनियों में स्टॉल भी लगाती हैं । समूह की आर्थिक स्थिति में धीरे–धीरे सुधार आ रहा है।

(2) अम्बेदकर स्वयं सहायता समूह

अम्बेदकर स्वयं सहायता समूह का गठन 26 जून 2013 को ग्राम पंचायत बिझडी के गांव नरघोल में बी0पी0एल0 परिवारों की महिलाओं द्वारा किया गया। इस समूह में 9 महिलाएं हैं और सभी महिलाएं अनुसूचित जाति से सम्बन्ध रखती हैं। समूह को दिनांक 26 दिसम्बर 2013 को कांगडा केन्द्रीय सहकारी बैंक बिझडी द्वारा 300000/रू0 का ऋण दिया गया है । समूह को दिनांक 31 मार्च 2014 को विकास खण्ड बिझडी द्वारा 15000/रू0 की परिक्रना निधि दी जा चुकी है। प्रधान/सचिव पंचसूत्रा दस्तावेजों का रख–रखाव स्वयं करतीं हैं। समूह की महिलाएं दूध उत्पादन तथा बैग बनाने का व्यवसाय करतीं हैं। समूह की आर्थिक स्थिति में धीरे–धीरे सुधार आ रहा है।

सारांशः–

क्रम सं0	समूह का नाम	गठन की तिथि	कुल सदस्य	अ0जा0	परिक्रमा निधि की दिनांक	परिक्रमा निधि	ऋण देने की दिनांक	ऋण दिया गया
1	आकृति स्वयं सहायता समूह बड्डू	23/05/2013	10	5	31/03/2014	15000/–	23/11/2013	300000/–
2	अम्बेदकर स्वयं सहायता समूह नरघोल	26/06/2013	9	9	31/03/2014	15000/–	26/12/2013	300000/–

Assistant Commissioner (Dev.)-cum-
Block Development Officer,
Bijhari, Distt. Hamirpur (H.P.)